वर्ष :: 34 अंक : 33
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला
वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 12 मई, 2024 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका

अवश्य पढ़ें-
निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

शिकंजे में 'लूटखंड' के लुटेरे

विडंबना... नेता-अफसर गठजोड़ से शर्मसार हुआ झारखंड

– विजय कुमार झा –

रांची/बोकारो : देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने जब बिहार का विभाजन कर अलग झारखंड राज्य का गठन किया था तो शायद उन्होंने सपने में भी यह नहीं सोचा होगा कि प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर यह झारखंड कभी 'लूटखंड' में बदल जाएगा। लेकिन, बिहार से अलग प्रांत बनने के 24 वर्षों के इस सफर में आज यही दिख रहा है कि सत्ता शीर्ष पर बैठे राजनेताओं और भ्रष्ट नौकरशाहों ने झारखंड को 'लूटखंड' में बदल दिया है। नेता हो या अफसर, जिसे जहां मौका मिला, उसने इस प्रदेश के खजाने को जमकर लूटा है। लेकिन, अब इस प्रदेश के खजाने को लूटकर अपनी तिजोरी भरने वाले बेईमानों पर कानून का शिकंजा कसता जा रहा है और धीरे-धीरे ये लुटेरे सलाखों के पीछे भेजे जा रहे हैं।

लपेटे में आ सकते हैं कई बड़े नाम

उल्लेखनीय है कि विगत 7 मई 2024 को झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारी और ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल के घरेलू नौकर जहांगीर आलम के घर से ईडी ने 35 करोड़ से अधिक नकद बरामद किए थे। ईडी को जहांगीर के घर में नोटों का पहाड़ मिला और नोट गिनने के लिए मशीनें मंगवाई गई। इस बीच ईडी ने मंत्री के पीएस संजीव और उनकी पत्नी रीता से भी पूछताछ की है। लगभग 37 करोड़ की नकद बरामदगी के मामले में संजीव लाल और उनके घरेलू नौकर जहांगीर आलम फिलहाल ईडी के रिमांड पर हैं। झारखंड में विपक्षी भाजपा के नेता इसे सीधे आलमगीर आलम से जोड़कर देख रहे हैं। भाजपा नेताओं का कहना है कि इतनी बड़ी रकम मंत्री के पीएस के नौकर के घर से मिलना साफ संकेत है कि यह काली कमाई मंत्री ने ही छिपाकर रखवाई थी। इस मामले में फिलहाल जांच जारी है और कई और बड़े नाम इस लपेटे में आ सकते हैं।

मंत्री आलमगीर तक पहुंच सकती है जांच की आंच

अभी-अभी प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की गई कार्रवाई के दौरान राज्य में कांग्रेस कोटे के मंत्री आलमगीर आलम के आप्त सचिव संजीव लाल के नौकर के घर से लगभग 35 करोड़ रुपये बरामद किए गए। फिर झारखंड मंत्रालय स्थित मंत्री के दफ्तर में छापामारी के दौरान उनके आप्त सचिव के दराज से रिश्वत के लाखों रुपए की बरामदगी ने सबको हैरान कर दिया है। राज्य सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर के पीएस संजय लाल के अलग अलग ठिकानों से भी नोटों के बंडल मिले हैं। इस बड़ी कार्रवाई में ईडी को जो दस्तावेज हाथ लगे हैं, उसमें ग्रामीण विकास विभाग में मंत्री के पीएस के अलावा कई अधिकारियों, इंजीनियरों और ठेकेदारों की काली करतूतों का खुलासा हो रहा है। सूत्रों के अनुसार इस जांच की आंच जल्द ही मंत्री आलमगीर आलम तक भी पहुंच सकती है।

जमीन घोटाले में पूर्व सीएम अब भी जेल में

झारखंड के युवा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से लोगों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन जमीन घोटाले के मामले में जेल की हवा खा रहे हैं। उन पर सेना की जमीन का मालिकाना हक हथियाने का आरोप है। ईडी ने आरोप पत्र भी जमा कर दिया है। हालत यह है कि हेमंत सोरेन को अपने चाचा के श्राद्ध में शामिल होने के लिए कुछ घंटों की मोहलत के लिए अदालत के सामने गिड़गिड़ाना पड़ा। हेमंत पर तो यह भी आरोप लगा था कि उन्होंने पद का दुरुपयोग कर खनन पट्टा अपने नाम लिया था।

मधु कोड़ा ने किया था खनन घोटाला

झारखंड के मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए मधु कोड़ा पर खनन घोटाले के आरोप लगे। उनके कार्यकाल के दौरान हुए भ्रष्टाचार के मामले में उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था। मनी लॉन्ड्रिंग के अलावा आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का केस उन पर चला। मधु कोड़ा पर आरोप था कि उन्होंने रिश्वत लेकर खनन का ठेका लोगों को दिया। मधु कोड़ा और उनके सहयोगियों ने करीब चार हजार करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की। इन्हीं आरोपों के मद्देनजर 2009 में मधु कोड़ा को गिरफ्तार किया गया और चार साल जेल में रहने के बाद 2013 में उनकी रिहाई हुई थी। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनकी **(शेष पेज- 7 पर)**

लोकसभा चुनाव

जोर-शोर से चुनाव प्रचार में जुटे उम्मीदवार, जनता को रिझाने में लगे; कर रहे वार-पलटवार

धनबाद में भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने

कार्यालय संवाददाता

धनबाद/बोकारो : धनबाद लोकसभा क्षेत्र का चुनाव सम्पन्न होने में अब महज दो हफ्ते से भी कम का समय शेष रह गया है। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता इस भीषण गर्मी में भी चुनाव प्रचार में जोर शोर से जुटे हैं। इस बीच धनबाद संसदीय क्षेत्र में भी चुनावी सरगर्मी बढ़ गई है। सभी दलों के नेता एक ओर जहां अपने-अपने पक्ष में मतदाताओं को रिझाने में लगे हैं, वहीं चुनाव मैदान में उतरे उम्मीदवार एक-दूसरे पर हमलावर होने लगे हैं। यहां तक कि मामला आरोप प्रत्यारोपों से शुरू होकर व्यक्तिगत हमले तक पहुंच गया है। वैसे तो धनबाद संसदीय क्षेत्र से इस बार कई उम्मीदवार मैदान में हैं, लेकिन दिलचस्प मुकाबला भाजपा उम्मीदवार ढुल्लू महतो और कांग्रेस की अनुपमा सिंह के बीच ही है। भाजपा उम्मीदवार ढुल्लू महतो ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को आगे बढ़ाने का काम किया है।

धनबाद क्षेत्र में जो काम बाकी है, हम उसे मिलकर पूरा करेंगे। हम क्षेत्र की हर समस्या को चुनौती के रूप में लेंगे। उन्होंने कहा कि मैं बाघमारा क्षेत्र से लगातार तीन बार विधायक हूं। एक भी कोई ऐसा व्यक्ति नहीं होगा, जो हम पर कोई आरोप लगा सकता है। मगर मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता पांच साल लगातार समाज के बीच में हर सुख दुख में

खड़ा रहता है। उसी का परिणाम है कि लोगों के बीच भाजपा के प्रति विश्वास बढ़ता जा रहा है। श्री महतो ने कहा कि हम लोग देश की 140 करोड़ जनता के साथ खड़े हैं।

उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार पर तंज कसते हुए कहा कि सोने की चम्मच लेकर आने वाला गरीबों की क्या बात करेगा। उनके पिता जी चूड़ी बेचने के लिए आए थे और आज अरबों रुपये कमाए, आखिर कहां से कमाए?

जबकि, इसके जवाब में कांग्रेस उम्मीदवार अनुपमा सिंह ने ढुल्लू महतो के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि हमारे पिता जी चूड़ी बेचने का काम करते थे। लेकिन, वो क्या करते थे, क्या नहीं करते थे, यह किसी को बताने की जरूरत नहीं है। चूड़ी बेचना कोई गंदा काम नहीं है। कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता। इंसान नीचे से ही ऊपर उठता है।

उन्होंने कहा कि उनके पास कोई मुद्दा नहीं रह गया है। इसलिए वे तरह-तरह की बातें कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी कभी जुमलेबाजी नहीं करती है। जितना बोलती है, वह पूरा करती है। कुल मिलाकर, दोनों उम्मीदवार पूरे क्षेत्र में धुआंधार चुनाव प्रचार कर लोगों से अपने-अपने पक्ष में मतदान करने की अपील कर रहे हैं। जबकि, मतदाताओं में बिल्कुल खामोशी है। अंत तक उनका झुकाव किधर होगा, इसके बारे में फिलहाल कुछ भी कहना कठिन है।

– संपादकीय –

आबादी पर नया खुलासा

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की हालिया रिपोर्ट में जो चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं, उससे देश की राजनीति को एक नया मुद्दा मिल गया है। रिपोर्ट में देश में मुसलमानों की आबादी में निरंतर वृद्धि और हिन्दुओं की आबादी में आ रही कमी का खुलासा अब चुनावी मुद्दा बन गया है। क्योंकि, इन्हीं के ध्रुवीकरण से चुनाव में राजनीतिक दलों की हार-जीत तय होती है। उधर, कांग्रेस ने इस पर सवाल उठा दिया है कि यह रिपोर्ट ऐन चुनाव के वक्त ही क्यों जारी की गई। दरअसल, रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में करीब 43% मुस्लिम आबादी बढ़ी है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 1951 से हिंदुओं की आबादी में लगभग 8 प्रतिशत की कमी आई है। जबकि, इसी दौर में मुस्लिम आबादी करीब 43 प्रतिशत बढ़ गई है। अब चुनावी मौसम में इस पर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में अल्पसंख्यक हिन्दू विलुप्त होते जा रहे हैं। पाकिस्तान में 18 प्रतिशत हिन्दू आबादी फिलहाल 1.18 प्रतिशत पर सिमट गई है। बांग्लादेश की बात करें तो वहां 24 प्रतिशत हिन्दू आबादी 8.2 प्रतिशत तक रह गई है, जबकि इसी दौर में मुस्लिम आबादी काफी बढ़ी है। इस रिपोर्ट से यह भी खुलासा हुआ है कि भारत में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न को लेकर अभी तक जो भी कहानी गढ़ी गई, वह सब झूठ साबित हुआ है। क्योंकि, यदि भारत की बात करें तो यहां अल्पसंख्यकों को लेकर कभी भेदभाव नहीं किया गया। इसकी पुष्टि ये आंकड़े भी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के इस अध्ययन के अनुसार वर्ष 1950 में भारत में मुस्लिमों की आबादी 9.84 प्रतिशत थी, जो 2015 तक 14.9 प्रतिशत हो चुकी है। इस मुद्दे पर भाजपा नेता कांग्रेस पर निशाना साध रहे हैं। उनका मानना है कि कांग्रेस और मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले दलों के लोग भारत को इस्लामिक स्टेट बनाना चाहते हैं। जबकि, प्रियंका गांधी का कहना है कि सवाल महंगाई और बेरोजगारी का है तो बात भी इसी पर होनी चाहिए। इस मुद्दे पर वह बात ही नहीं करना चाहतीं। वहीं, राहुल गांधी इकोनॉमिक सर्वे की बात करते हैं और जिसकी जितनी आबादी, उसे उतना हक देने का नारा दे रहे हैं। दरअसल, ये वही लोग हैं, जो सीएए कानून के तहत बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान के पीड़ित अल्पसंख्यकों को भारत में नागरिकता दिये जाने का विरोध करते हैं और कहते हैं कि इसे लागू नहीं होने देंगे। यही लोग देश में समान नागरिक संहिता का भी विरोध कर रहे हैं, क्योंकि इसके लागू होने से तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों को अपनी दुकानदारी बंद हो जाने का खतरा नजर आता है। उक्त रिपोर्ट के सार्वजनिक होने के बाद राष्ट्रवादी सोच रखने वाले लोग भारत में जनसंख्या नियंत्रण कानून की आवश्यकता पर जोर देने लगे हैं। ऐसे में भारत की अस्मिता को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए केन्द्र की भावी सरकार से देश में बिना देर किए समान नागरिक संहिता और जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू करने की अपेक्षा जरूर की जानी चाहिए।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

मां - एक अहसास

मां। यह शब्द केवल एक रिश्ता नहीं, एक अहसास है, एक भावना है। नौ माह लाख कष्टों को सहने के बाद वह हमें इस दुनिया का दीदार कराती है और पहली दुनिया वही बन जाती है। मां हमेशा हमेशा खास होती है। इसलिए ही तो वो हमारी पहली गुरु, पहली दोस्त और पहली साखी होती है। उनके आगे हम कुछ भी बोल देते हैं, वो हमें कभी भी जज नहीं करती हैं। जब भी हमें चोट या दर्द होता है तो हमारे मुंह से सबसे पहला शब्द ही मां निकलता है। जब भी एक बच्चे को कोई तकलीफ, कोई डर होता, तो वह मां का आंचल ही है, जिसमें वह सबसे सुरक्षित समझा है।

मां हर बच्चे के लिए अपने दिल में बराबर का प्यार रखती है। कभी भी उन्हें भूखा नहीं सोने देती और उनके उठने से पहले खुद उठकर उनके सारे काम खत्म कर देती है। अपने आपको भूलकर बच्चों के लिए जीना जानती है मां। कभी भी उन्हें भूखा नहीं सोने देती और उनके उठने से पहले खुद उठकर उनके सारे काम खत्म कर देती है। अपने आपको भूलकर बच्चों के लिए जीना जानती है मां।

दरअसल, मां शब्द के साथ कई भावनाएं जुड़ी होती हैं। एक बच्चे के लिए उसकी मां की क्या अहमियत होती है, वह बच्चा ही जानता है। मां के त्याग और योगदान की चुकाने की कोशिश हम कितनी ही कर लें, कभी नहीं चुकता कर सकते। मदर्स डे मां के त्याग को एक प्रकार से नमन करने और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जिसकी शुरुआत 20वीं सदी में एना जार्विस नामक एक अमेरिकन महिला ने की थी। फिलाडेल्फिया में रहने वाली एक बेटी एना जार्विस ने अपनी मां की याद में जो किया, उससे इस दिन की नींव पड़ी। वह अपनी मां से बहुत प्यार करती थीं। मां की देखभाल करने के लिए उन्होंने खुद शादी नहीं की थी। लेकिन जब उनकी मां की मृत्यु हो गई तो एना अपनी मां को बहुत याद करती थीं।

एना ये अक्सर सोचती थीं कि मां अपने बच्चों के लिए जीवनभर कितना कुछ करती है, लेकिन उसके त्याग और समर्पण की सराहना तक नहीं की जाती। ऐसे में कोई एक दिन तो इस तरह का होना चाहिए जिस दिन बच्चे अपनी मां के निःस्वार्थ प्रेम, त्याग और समर्पण के लिए उन्हें शुक्रिया कह सकें। एना की मां की मौत मई में हुई थी, इसलिए एना ने अपनी मां की पुण्यतिथि के दिन को मदर्स डे के तौर पर मनाना शुरू कर दिया।

मां की मौत के बाद एना ने अपनी पूरी जिंदगी दूसरों की सेवा में लगा दी। दूसरे विश्व युद्ध के दौरान एना ने घायल अमेरिकी सैनिकों की सेवा भी एक मां की तरह की। उनकी सेवा भावना को सम्मान देने के लिए अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति वुड्रो विल्सन ने एना के सम्मान में लॉ पास किया और मदर्स डे मनाने के लिए प्रत्यक्ष रूप से स्वीकृति दे दी। अमेरिकी संसद में कानून पास कर इस दिन को मई महीने के दूसरे रविवार को मनाने का ऐलान कर दिया गया और तब औपचारिक रूप से पहला मदर्स डे मनाया गया। तब से हर साल ये दिन मई के दूसरे रविवार को मनाया जाता है। पहले यह दिन केवल अमेरिका में सेलिब्रेट होता था, लेकिन अब यूरोप, भारत आदि कई अन्य देशों में भी मनाया जाने लगा।

मदर्स डे पर विशेष... ऐसे हुई थी मदर्स मनाने की शुरुआत

प्रस्तुत है मां के ममत्व को समर्पित कुछ पंक्तियां-

मां

न देखा हमने ये जहां,
न समझी ये कुदरत।
ममता के सिवा न कोई
तेरी हमने देखी फितरत।

ईश्वर को देखा नहीं हमने,
तुझमें ही उसकी सूरत।
स्नेह-सुधा सदा बरसे जहाँ,
उस मंदिर की है तू मूरत।

तेरी ममता, तेरा प्यार,
तुझमें ही बसा मेरा संसार।
तू ही मेरा है भगवान,
ईश्वर का तू है अवतार।

प्यार भरी वो थपकियाँ,
वो मीठी-मीठी लोरी।
इठलाऊं तेरी गोद में,
बाँध के प्रेम की डोरी

ऐ माँ, तेरे आँचल में,
पाया हमने यह जीवन।
हर जन्म में पाऊँ तुझको
लुटाऊँ तुझ पर यह तन-मन।

फिर हो जाऊँ नन्हा बालक
कोई लौटा दे मेरा बचपन,
महके ममता के फूल जहाँ
फिर पाऊँ वह उपवन।

प्रस्तुति - दीपक

जनक नन्दिनी

मुख सरोज द्युति बाल रविक सम
कमल नयन अति शीतल।
कुसुमित आनन कुन्तल लटकल
मधु मकरन्द मे रीतल।
हे सखि! नेत्र हरषि अछि तीतल।।

रक्त कमल बिन्दी सँ साजल
चकमक करइछ भाले।
मणि मुक्ता मरकत अछि गाँथल
उर शोभित गर माले।
हे सखि! काने कुण्डल हाले।।

कर पंकज वर तुण्ड समाने
बाम हाथ शर सायक।
दक्षिण कर कल्याणक हित मे
अभय वरद अछि मायक।
तुअ तजि के करुणा केर दायक?

कंगन कंकण किंकिण ध्वनिरत
मुखरित जयति बखाने।
चरणाम्बुज पाजेब झननझन
पग गति पड़हि समाने।
हे सखि! मुगधित भेल पराने।।

दुष्ट दलन हित आएल जननी
कुम्भोद्भव भूतल सँ।
कयल नाश निशिचर कुलघालक
जे हरलक छलबल सँ।
छल जी भीत बनल पद तल सँ।।

मिथिला केर धी हमर मैथिली
शक्तिक छली अवतार।
दानव दल केर अन्त कएल पुनि
कएल मनुज उद्धार।
जननी सकल जगक आधार।।

हे जग जननी जनकनंदिनी
हे मिथिला केर प्राण।
राम प्रिया हे लव कुश जननी
करब सकल कल्याण।
जननी शत शत तोहि प्रणाम।।

मैथिली कविता

– शम्भुनाथ –

जिले में चुनाव आयोग के सभी निर्देशों का अक्षरशः होगा अनुपालन : विजया जाधव

गिरिडीह में 16 प्रत्याशी जंग-ए-मैदान में

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : 06 गिरिडीह लोकसभा चुनाव को लेकर हुई संवीक्षा के दौरान सात अभ्यर्थियों का नामांकन रद्द होने तथा दो उम्मीदवारों की नाम वापसी के बाद अब इस संसदीय क्षेत्र से कुल 16 उम्मीदवार जंग-ए-मैदान में शेष रह गए हैं। उक्त जानकारी देते हुए गिरिडीह संसदीय क्षेत्र की निवार्ची पदाधिकारी सह-बोकारो की जिला निर्वाचन पदाधिकारी व उपायुक्त विजया जाधव ने संवाददाताओं को बताया कि गिरिडीह से कुल 25 उम्मीदवारों ने नामांकन प्रपत्र दाखिल किया था। इनमें 07 उम्मीदवारों के नामांकन रद्द कर दिए गए। जबकि, आज दो ने अपना नाम वापस ले लिया। इसके बाद अब 16 उम्मीदवार मैदान-ए-जंग में शेष रह गए हैं।

गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र के शेष बचे उम्मीदवारों में मान्यता-प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों में बसपा के कमल प्रसाद, आजसू पार्टी के चंद्र प्रकाश चौधरी तथा झामुमो के मथुरा प्रसाद महतो के अलावा रजिस्ट्रीकृत राजनीतिक दलों में बहुजन मुक्ति पार्टी के ऐनुल अंसारी, लोक अधिकार पार्टी के ज्ञानेश्वर प्रसाद, भारतीय लोकमत राष्ट्रवादी पार्टी के पप्पू कुमार निषाद, पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक) के प्रमोद राम, राइट टू रिकॉल पार्टी के शिवजी प्रसाद, सर्व समाज पार्टी के सुभाष कुमार ठाकुर, निर्दलीय उषा सिंह, कलावती देवी, जयराम कुमार महतो, द्वारका प्रसाद लाला, रामेश्वर दुसाध, सुनीता टुडू तथा सुबोध कुमार यादव के नाम शामिल हैं। इन उम्मीदवारों को आज चुनाव चिन्ह भी आवंटित कर दिए गए।

निवार्ची पदाधिकारी श्रीमती जाधव ने कहा कि आसन्न लोकसभा चुनाव में जिले भर के 18 लाख, एक हजार मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर सकेंगे। इनमें 20 जनवरी के बाद 57 हजार नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े गए हैं। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में विशेषता यह है कि 100 फीसदी वेबकास्टिंग की व्यवस्था रहेगी। वैत्रानिक तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। चुनाव आयोग के निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण व निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न कराने में हम सभी प्रत्याशियों, राजनीतिक दलों और मतदाताओं से सहयोग की अपेक्षा करते हैं।

सुरक्षा के रहेंगे पुख्ता इंतजाम : एसपी

पत्रकार सम्मेलन में उपस्थित बोकारो के पुलिस अधीक्षक पूज्य प्रकाश ने कहा कि चुनाव में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। सुरक्षा की दृष्टि से सभी मतदान केन्द्रों पर आवश्यक सुरक्षा बल की तैनाती की जा रही है। मतदान शांतिपूर्ण व निष्पक्ष हो, इसके लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सचेत है। पत्रकार वार्ता में पुलिस अधीक्षक के अलावा जिला जन-संपर्क पदाधिकारी साकेत कुमार पांडेय, सहायक जन-संपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने को समिति चलाएगी व्यापक जनसंपर्क अभियान

नगर विकास समिति के क्षेत्रीय कार्यालय तारानगर चास में लोकजागरण अभियान के तहत लोकसभा चुनाव में अधिकाधिक मतदान प्रतिशत सुनिश्चित करने को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। समिति के संरक्षक सदस्य बालकृष्ण कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर लोकसभा चुनाव में मतदान का प्रतिशत गिर रहा है। मतदाता में अत्यधिक गर्मी का परिणाम कम मतदान है। हमें एक-एक घर में मतदाता से संपर्क कर अधिक से अधिक मतदान करने के लिए वार्ड मोहल्ले स्तर पर जनसंपर्क कार्यक्रम चलाने की आवश्यकता है, जिसके लिए समिति जनजागरण अभियान चलाएगी। मौके पर समिति के उपाध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह, अभय कुमार मुन्ना, अधिवक्ता रंजीत कुमार, डॉ सूर्यमणि कुमार, सुबोध सिंह, अतीश सिंह, अधिवक्ता मनोज कुमार, महेश सिंह, महानन्द महतो आदि मौजूद रहे।

सियासत ढुल्लू महतो पर लगाया बाहरी-भीतरी की राजनीति करने का आरोप

आतंक-राज से बचना है, तो सही प्रत्याशी चुने जनता : सरयू

संवाददाता

बोकारो : 'धनबाद में पहला चुनाव ऐसा हो रहा है, जब मुद्दा कोई विकास का नहीं है। मुद्दा सिमटकर रह गया है बाहरी और भीतरी पर, पिछड़ा और अगड़ा पर। यही मुद्दा बनाया जा रहा है। ...और दुर्भाग्य की बात है कि यह मुद्दा बना रहे हैं भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार ढुल्लू महतो। उनके इस रवैये से भाजपा के नेता भी त्रस्त है। आज धनबाद लोकसभा क्षेत्र में भय और आतंक का वातावरण है। यह आतंक पूरे धनबाद क्षेत्र में न पसरे। बोकारो विकास की ओर आगे जा रहा है। उसके मार्ग में, बोकारो के विकास में लोकसभा में जाकर ऐसे तत्व बाधा नहीं डालें, इस बारे में विचार करने की जरूरत है।' उक्त बातें जमशेदपुर के विधायक, पूर्व भाजपा नेता और राज्य सरकार के पूर्व मंत्री सरयू राय ने यहां एक संगोष्ठी में कही।

स्थानीय के साथ हुआ अत्याचार

सरयू ने कहा- मुझे ढुल्लू के गांव के लोगों ने बुलाया था। सब लोग लोकल हैं वहां। 95 प्रतिशत से अधिक पिछड़े समुदाय के लोग हैं। 12 लोग उनकी अपनी जाति के हैं। इन सबों की जमीन दो गांवों में घेर ली है उन्होंने। इसके अलावा गैरमजरुआ जमीन मिलाकर 200 एकड़ जमीन को उन्होंने घेर लिया और इतनी ऊंची चहारदीवारी बना दी है, उसे देखने से लगता है कि जेल बन रहा है। अब जो प्रत्याशी बाहरी-भीतरी का बात कर रहा है, उन्होंने लोकल लोगों पर ही अत्याचार किये हैं। इस बात को धनबाद के लोगों को सोचने की जरूरत है। अगड़ा, पिछड़ा, हिन्दू, मुस्लिम की बात कह के वातावरण को ध्रुवीकरण करने का प्रयास हो रहा है।

क्षेत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति

श्री राय ने कहा - प्रदेश भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव आयोग को लिखकर दिया है कि हमारे प्रत्याशी पर 20 मुकदमे हैं। दो में सजा हो गई है। जो मुकदमा है, उसमें आर्म्स एक्ट, 307, 353, 354 का मुकदमा है। इस तरह के गंभीर आरोप हैं, कि यदि उसकी जल्दी सुनवाई हो तो कम से कम पांच साल और अधिक से अधिक दस साल की सजा होगी। उसमें दूसरा एक और कॉलम है, जिसमें भरना होता है कि जब प्रत्याशी के खिलाफ इतने केस हैं तो फिर उन्हें ही क्यों टिकट दिया? उसमें भाजपा ने एफिडेविट कर दिया है कि धनबाद में हमारे जितने कार्यकर्ता है, सबसे योग्य यही हैं, सबसे कर्मठ यही हैं, इसलिए हमने टिकट दिया है। अब भारतीय जनता पार्टी के लोगों को सोचना चाहिए कि क्या वे इनसे भी गए गुजरे हैं? इसलिए इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के लोगों को भी विचार करना है। वे सांसद-विधायक को गालियां दे रहे हैं। यह धनबाद लोकसभा के लिए बड़े ही दुर्भाग्य की बात हो गई है।

चिटाही में खुला नया मुहाना

उन्होंने कहा कि ढुल्लू महतो के गांव चिटाही में कोयला का नया मुहाना खुल गया है और वहां से रोज 300-400 हाइवा कोयला निकल रहा है। इसलिए धनबाद लोकसभा क्षेत्र के लोगों को विचार करना चाहिए कि भाजपा ने टिकट दे दिया है तो उसे हराने में जो उम्मीदवार सक्षम है, भाजपा की भलाई के लिए, लोकसभा क्षेत्र की भलाई के लिए उसे वोट देना चाहिए।

'भाजपा कार्यकर्ता सुधारें पार्टी की गलती'

श्री राय ने कहा कि सब जगह भय और आतंक का वातावरण है। रंगदारी नहीं देने पर गोविंदपुर के खालसा होटल के मालिक के काउंटर पर बम फेंक दिया। तीन दिन पहले उस होटल के मालिक सरदार जी होटल बेचकर पंजाब चले गए। इसमें मशहूर प्रिंस खान नामक जो आदमी है, अभी दुबई चला गया है, उसे धनबाद लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी का संरक्षण है। भाजपा ने जो गलती की है, भाजपा के कार्यकर्ताओं को उसे सुधारनी चाहिए। मोहन भागवत जी ने भी कहा है कि लोग नोटा के फेर में न जाएं, जो उम्मीदवार योग्य लगता है, उसे वोट कीजिए। उनके कहने पर भी भाजपा के लोगों को विचार करना चाहिए। उन्होंने लोगों से इस बारे में विवेकपूर्ण निर्णय लेने का आग्रह किया।

चिन्मय विद्यालय को मिली एक नई पहचान

'नाबेट' से अधिमान्यता पाने वाला बना झारखंड का पहला स्कूल

संवाददाता

बोकारो : चिन्मय विद्यालय बोकारो एक नई पहचान पा चुका है। चिन्मय विद्यालय बोकारो झारखंड -बिहार में नाबेट (नेशनल एक्रीडिटेशन बोर्ड ऑफ एजुकेशन एंड ट्रेनिंग) से अधिमान्यता प्राप्त करने वाला एकमात्र स्कूल बन गया है। बोर्ड ने सम्पूर्ण गुणवत्ता, पूर्ण शिक्षा प्रणाली के लिए अधिमान्यता प्रदान की है। विद्यालय समिति के अध्यक्ष सह चिन्मय एजुकेशन सेल के पूर्वी क्षेत्र के निदेशक विश्वरूप उपाध्याय ने विशेष प्रार्थना-सभा में इसकी घोषणा की। श्री मुखोपाध्याय ने कहा कि नाबेट भारत सरकार के क्वालिटी सर्किल ऑफ इंडिया की एक संवैधानिक संस्था है, जो देश में शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने एवं उसे विश्वस्तरीय बनाने के लिए कार्य करती है। जो विद्यालय नाबेट द्वारा निर्धारित मानदंड को प्राप्त करते हैं, उन्हें एक्रीडिटेशन प्रदान किया जाता है। चिन्मय विद्यालय आध्यात्मिक मूल्यों के साथ बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में कटिबद्ध रहा है और आगे भी रहेगा।

विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी ने इस उपलब्धि के लिए श्री मुखोपाध्याय की संकल्पना और परियोजना के सफल क्रियान्वयन के लिए उन्हें बधाई दी। साथ ही, इसे पूरे चिन्मय परिवार के लिए गर्व का विषय बताया। प्राचार्य सूरज शर्मा ने कहा कि विद्यालय के लिए इस अविस्मरणीय उपलब्धि के लिए विद्यालय के सभी सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि देश के चुनिंदा संस्थानों को ही मिली।

एमआरपी से अधिक मूल्य पर शराब बेची तो अब खैर नहीं

उत्पाद विभाग ने बढ़ाई सख्ती, जगह-जगह छापेमारी

शिकायत के लिए नंबर जारी

लोकसभा आम निर्वाचन 2024 को निष्पक्ष, स्वतंत्र व प्रभावी बनाने के उद्देश्य से बोकारो जिला में कार्यरत सभी खुदरा उत्पाद दुकानों में शराब बिक्री एमआरपी से अधिक करने या अन्य शिकायत कर सकते हैं। इसके लिए उत्पाद विभाग की ओर से टोल फ्री नंबर 18003457024, उत्पाद विभाग के पुलिस अधिकारी का मोबाइल नंबर 6200459412, 6200482331, 7004858995, 9608208777 व 7033292587 जारी किया गया है।

संवाददाता

बोकारो : जिले में अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) से अधिक दाम पर शराब बेचने की शिकायतों के आलोक में बोकारो डीसी विजया जाधव के निर्देश पर उत्पाद विभाग सक्रिय हो गयी है। उत्पाद विभाग ने सख्ती बढ़ाते हुए इसके लिए जिले में अभियान शुरू कर दिया। इस संबंध में बोकारो सहायक उत्पाद आयुक्त उमाशंकर सिंह ने कहा कि बोकारो के शराब दुकानों में एमआरपी से अधिक पैसा लेने वाले दुकानदारों पर कार्रवाई की जाएगी। जो भी व्यक्ति अवैध शराब कारोबार से जुड़े हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए बोकारो डीसी के निर्देश पर विभाग की ओर से टोल फ्री नंबर जारी किया गया है। जो शराब के अवैध धंधे से जुड़ी जानकारी उत्पाद विभाग को दे सकते हैं। चाहे एमआरपी से अधिक पैसे वसूलने वाले दुकानदारों के खिलाफ सूचना हो या कहीं भी शराब चुलाई, शराब की अवैध बिक्री हो रही हो, अवैध भंडारण किया गया हो, इसकी सूचना दें, त्वरित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील किया है कि अगर कोई दुकानदार अधिक पैसा वसूलता है तो इसकी शिकायत जरूर करें। वहीं अवैध रूप से शराब कारोबार करने वाले कारोबारियों के खिलाफ एसआईटी का गठन किया गया है, जो त्वरित कार्रवाई करेंगे। सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा।

पिछले दिनों देर रात तक उत्पाद विभाग की ओर से एनएच-23 किनारे स्थित तीन दर्जन से अधिक होटलों व रेस्टोरेंट में छापेमारी की गई। इस दौरान कई होटल से देश-विदेशी शराब जब्त किए गए और संचालक को हिरासत में लिया गया। विभाग ने कार्रवाई के तहत होटल संचालकों से जुमार्ना वसूला और चेतावनी दी गई। छापेमारी बहादुरपुर स्थित पुष्पांजलि होटल, स्वागत होटल, न्यू लाईन होटल, पेटरवार स्थित राज होटल, कमलापुर स्थित न्यू हिंद होटल आदि में की गई।

बोकारो थर्मल-चंद्रपुरा स्टेशन बस का परिचालन बंद होने से परेशानी

संवाददाता

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल से चंद्रपुरा रेलवे स्टेशन को जानेवाली डीवीसी की स्टेशन बस का परिचालन शनिवार से बंद कर दिया गया है। बोकारो थर्मल से डीवीसी कर्मियों को चंद्रपुरा रेलवे स्टेशन ले जाकर ट्रेन पकड़ने के लिए प्रबंधन के द्वारा बस का परिचालन विगत कई वर्षों से किया गया है। बस परिचालन की निविदा 7 मार्च 2024 को ही समाप्त हो जाने के बाद उसे दो माह के परिचालन विस्तार दिया गया था। 7 मई को परिचालन विस्तार की समयावधि समाप्त हो जाने के बाद भी उसे तीन दिनों तक चलाया गया, परंतु निविदा फाइनल हो जाने के बाद भी संवेदक को कायार्देश नहीं दिया जा सका। अंततः बस मालिक ने शनिवार से बस का परिचालन बंद कर दिया। बस का परिचालन बंद हो जाने के कारण डीवीसी कर्मियों एवं उनके परिजनों को चंद्रपुरा ट्रेन पकड़ने जाने को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

पहल रोटरी ने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने का उठाया बीड़ा

स्वस्थ बच्चे ही देश का भविष्य : बैद

संवाददाता

चास : रोटरी क्लब चास ने स्कूली बच्चों को उनकी सेहत के प्रति जागरुक करने का अनूठा बीड़ा उठाया। इसके तहत विद्यालयों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य अभियान के तहत पीपीएच कार्यक्रम के अंतर्गत गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल में स्वास्थ्य के प्रति बच्चों को जागरुक किया गया। रोटरी क्लब चास की अध्यक्ष पूजा बैद ने बच्चों को सचेत किया कि स्वस्थ भोजन और आहार से ही स्वस्थ रहने में मदद मिलेगी। डॉ निशांत ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि लाभदायक खाने की आदतों को ही अपने जीवन का अंग बनाएं। उपयुक्त आहार लेकर ही हम अपनी सेहत तंदुरुस्त रख सकते हैं। खाते समय भोजन से दूरी बनाएं। चास रोटरी के संस्थापक अध्यक्ष संजय बैद ने कहा कि स्वस्थ बच्चे ही देश का भविष्य है। विद्यालय के प्राचार्य अभिषेक कुमार ने बच्चों से कहा कि यदि आप अपने समग्र स्वास्थ्य को बनाए रखना चाहते हैं तो जीवन में स्वस्थ खान-पान की आदतों को शामिल करना बहुत जरूरी है।

मौके पर रोटरी चास की सचिव डिंपल कौर ने कहा बच्चों को हल्के योग का नियमित अभ्यास करना चाहिए एवं ऐसा भोजन लें, जिसमें आवश्यक पोषक तत्व हो। कार्यक्रम में कुमार अमरदीप, मुकेश केजरीवाल, उषा कुमार, मंजीत सिंह, बिनोद चोपड़ा, विपिन अग्रवाल आदि उपस्थित थे। इसके पूर्व हृदयाघात में तात्कालिक बचाव को लेकर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। विशेषज्ञ डॉ. निशांत की देखरेख में छात्र-छात्राओं को कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) की ट्रेनिंग दी गई। डॉ निशांत ने यह भी कहा कि 2023 में हृदय गति से होने वाली मौतों में 22 फीसद की वृद्धि देखी गई है। डॉ निशांत ने कहा कि युवाओं में हार्ट अटैक से मौत के बढ़ते मामले चिंताजनक हैं। सीपीआर प्रशिक्षण एक तैयार समाज बनाने की कोशिश है जो चिकित्सा आपात स्थितियों का प्रभावी ढंग से जवाब देने में सक्षम हो सके।

हफ्ते की हलचल

ठेका मजदूरों को मिले बायोमेट्रिक पहचान-पत्र

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट के गैर-संकार्य क्षेत्र में ठेका मजदूरों को बायोमेट्रिक आरएफआईडी कार्ड की सुविधा उपलब्ध कराने की श्रृंखला में शनिवार को नगर प्रशासन के जनस्वास्थ्य विभाग के ठेका श्रमिकों को बायोमेट्रिक आरएफआईडी कार्ड प्रदान करने की शुरूआत की गई। मुख्य महाप्रबंधक (कार्मिक) हरि मोहन झा तथा मुख्य महाप्रबंधक (नगर प्रशासन) कुंदन कुमार ने नगर प्रशासन एवं कार्मिक विभाग के अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में जन स्वास्थ्य के ठेका श्रमिकों के बीच इस कार्ड का वितरण किया। ज्ञातव्य है कि गैर संकार्य विभागों के ठेका श्रमिकों को बायोमेट्रिक आरएफआईडी कार्ड शुरूआत बीजीएच से की गई थी। इस सुविधा को चरणबद्ध तरीके से सभी ठेका श्रमिकों को प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे न सिर्फ ठेका मजदूरों की पहचान सुनिश्चित की जा सकेगी, बल्कि ठेका मजदूरों की देय सुविधाओं को समग्र रूप से सुनिश्चित करने में भी मदद मिलेगी। इस पृष्ठभूमि में बोकारो स्टील प्लांट का यह पहल बायोमेट्रिक आरएफआईडी कार्ड के माध्यम से ठेका व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बोकारो रोटरी ने पत्रकारों को किया सम्मानित

बोकारो : रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी द्वारा विश्व पत्रकारिता स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में एक संगोष्ठी आयोजित कर स्थानीय पत्रकारों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने सोशल मीडिया के वर्तमान दौर में समाचार पत्रों पर पड़ते प्रतिकूल प्रभाव की चर्चा करते हुए आज के समय में भी अखबारों की भूमिका व उसकी महत्ता को प्रासंगिक बताया। साथ ही फेसबुक, यूट्यूब आदि के माध्यम से भ्रामक खबरों को बढ़ावा दिए जाने पर चिन्ता व्यक्त करते हुए इनकी निरंकुशता पर लगाम लगाने की जरूरत बताई। कार्यक्रम को डॉ अनिल त्रेहन, चंद्रिमा रे, बी के पांडेय, सुनील तिवारी, विजय सिंह आदि ने संबोधित किया। जबकि, मंच संचालन प्रदीप नारायण एवं धन्यवाद ज्ञापन संजय तिवारी ने किया। कार्यक्रम में रोटरी क्लब के अध्यक्ष घनश्याम दास, सचिव महेश गुप्ता, प्रदीप सिंह, डॉ एससी मुंशी, पीडीजी महेश केजरीवाल आदि उपस्थित थे।

जरीडीह विद्या मंदिर में विभागस्तरीय प्रधानाचार्यों की बैठक

बेरमो : जरीडीह बाजार स्थित अवध बिहारी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में धनबाद विभाग स्तरीय प्रधानाचार्य की एक-दिवसीय बैठक आयोजित की गई। इसमें अतिथि के रूप में धनबाद विभाग के विभाग निरीक्षक विवेक नयन पांडे उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कस्तूरबा विद्या निकेतन के प्रधानाचार्य राम सुमन सिंह ने किया। अतिथि परिचय प्रधानाचार्य रमेश कुमार उपाध्याय ने कराया। विभाग निरीक्षक विवेक में पांडे ने कहा कि हमारी संस्कृति हमारी विरासत है। इन्हें बचाए रखने की आवश्यकता है। विद्यालय के सचिव अनिल अग्रवाल ने विद्यालय को हरसंभव सहयोग करने का भरोसा दिलाया। मौके पर अध्यक्ष प्रह्लाद बरनवाल, कृष्ण गुप्ता, उपेंद्र गुप्ता, सागर गुप्ता, बालकुमार ने भी अपने विचार रखे।

जीजीईएसटीसी में कैंपस सेलेक्शन, चुने गए कई युवा

बोकारो : गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसाइटीज टेक्निकल कैंपस, इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कॉलेज, बोकारो में एक बार फिर कैंपस सेलेक्शन का आयोजन हुआ। निफ्टी की सर्वोच्च कंपनियों में शामिल चेन्नई की कंपनी श्री राम फाइनेंस लिमिटेड के प्रतिनिधियों का छात्रों के कैंपस सिलेक्शन के वास्ते आगमन हुआ। कंपनी के वरिष्ठ एच.आर. अधिकारी आकाश द्वारा मैनेजमेंट ट्रेनी के पोस्ट के लिए छात्रों का ऑनलाइन एप्टीट्यूड टेस्ट लिया। कॉलेज से कुल दस छात्र इस टेस्ट द्वारा चयनित हुए, जिनमें से पांच मैकेनिकल इंजीनियरिंग, एक कंप्यूटर इंजीनियरिंग तथा चार एम.बी.ए. के छात्र हैं। साक्षात्कार के बाद अंतिम चयन के पश्चात, ट्रेनिंग और प्रोबेशन पूर्ण करने पर उन्हें वार्षिक रु. 3.14 लाख का पैकेज मिलेगा। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी प्रो. रोही प्रसाद, प्रो. सलीम अहमद, सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर अनिल सिंह व तकनीकी सहायक पंकज मिश्रा ने इस चयन में विशेष योगदान दिया। संस्थान अध्यक्ष तरसेम सिंह, सचिव सुरेंद्र पाल सिंह तथा कालेज निदेशक डॉ. प्रियदर्शी जरुहार ने चयनित छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

400 की ओर तेजी से जा रही भाजपा : हेमंत

सियासत... असम के सीएम ने राम मंदिर, धारा 370 व सीएए को बताई मोदी सरकार की उपलब्धियां

संवाददाता

बोकारो : असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा शर्मा ने कहा है कि अयोध्या में भगवान श्री राम का भव्य मंदिर, धारा 370, सीएए आदि मोदी सरकार की उपलब्धियां हैं। श्री शर्मा ने झारखंड में भी डबल इंजन की सरकार पर जोर दिया। श्री शर्मा शनिवार को बोकारो हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि तीन चरण का चुनाव समाप्त हो चुका है। चौथा चरण भी आ रहा है। हमलोग तेजी से 400 की ओर जा रहे हैं। यह कोई जुमला नहीं है, हकीकत है, क्योंकि मैं यह सब देखकर आया हूं। हमारी अपेक्षा के अनुरूप हमारी सीट भी बढ़ती जा रही है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि भाजपा ने जो वादे किये, वे पूरे हुए हैं। राम मंदिर की बात की थी, राम मंदिर पूरा हो चुका है। 370 हटाने की बात कही थी, वह पूरा हो चुका है। सीएए की बात कही थी, वह भी पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कांग्रेस ने किया किया देश के लिए? जेएमएम ने देश के लिए क्या किया और भाजपा ने किया किया, ये सभी जानते हैं। आज विश्व में भारत का मान-सम्मान बढ़ा है। तीन करोड़ लोगों को घर दिये गए हैं। 30 करोड़ भारतवासियों को स्वास्थ्य की सुविधा मिली। ईडी, सीबीआई के सवाल पर उन्होंने कहा कि भाजपा नेता के ऊपर भी कोई कम्प्लेन करने को स्वतंत्र है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में मोदी जी सभी 542 सीटों पर तो चुनाव नहीं लड़ सकते हैं। इसलिए हम सभी पार्टी के सिपाही उनके विश्वास पर उनकी तरफ से चुनावी अखाड़े में हैं। इस दौरान उनके साथ झारखंड विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी सहित भाजपा के वरीय नेता व सह-संयोजक रोहित लाल सिंह, बोकारो जिला भाजपा अध्यक्ष जयदेव राय, पप्पू श्रीवास्तव, उमेश शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया।

झारखंड में दीवार से पाताल तक कैश : निर्मला सीतारमण

रांची: केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का कहना है कि झारखंड में इस कदर भ्रष्टाचार है कि यहां हर सिग्नेचर के लिए पैसे की वसूली होती है। कानून व्यवस्था इतनी खराब है कि रंगदारी की रकम न देने पर व्यवसायियों की हत्या तक हो रही है। यहां दीवार से लेकर पाताल तक कैश मिल रहा है। ये हालात बदलने चाहिए। यहां के लोगों को भ्रष्टाचार मुक्त राज्य और देश के लिए वोट करना चाहिए। रांची में 'पूर्वी भारत विकसित भारत के लिए उन्नति का इंजन' विषय पर आयोजित संवाद कार्यक्रम को वह संबोधित कर रही थीं। कहा कि जब बिहार से झारखंड अलग हुआ था, तब लगा था कि इसे जंगल राज से मुक्ति मिलेगी, लेकिन दुख की बात है कि पिछले साढ़े चार से यहां नया जंगलराज शुरू हो गया।

गिरिडीह : जयराम की उम्मीदवारी से मुकाबला हुआ त्रिकोणीय

संवाददाता

बोकारो/गिरिडीह : गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र के लिए आगामी 25 मई को होने वाले चुनाव के मैदान में वैसे तो कुल 16 उम्मीदवार शेष रह गए हैं, लेकिन चुनावी दंगल में निर्दलीय जयराम महतो की उम्मीदवारी से यहां त्रिकोणीय संघर्ष के आसार दिख रहे हैं। वर्ष 2019 के चुनाव में गिरिडीह से सांसद बने आजसू पार्टी के उम्मीदवार चन्द्र प्रकाश चौधरी को एनडीए ने इस बार पुनः मैदान में उतारा है। जबकि, इंडी गठबंधन (झामुमो) की ओर से टुंडी के विधायक मथुरा प्रसाद महतो चुनाव लड़ रहे हैं। पहले तो ऐसा माना जा रहा था कि मुकाबला चन्द्र प्रकाश चौधरी और मथुरा महतो के बीच ही होगा, लेकिन जेबीकेएसएस की ओर से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में इस चुनावी दंगल में कूदकर जयराम महतो ने मुकाबला त्रिकोणीय बना दिया है। इस चुनाव में जयराम महतो किसका वोट काटेंगे या खुद चुनाव जीत जाएंगे, यह कहना तो फिलहाल कठिन है। लेकिन, एक ही (कुर्मी) जाति के तीन उम्मीदवारों के बीच होने वाली यह लड़ाई काफी रोचक होने वाली है। जानकार बताते हैं कि आजसू और झामुमो के उम्मीदवार यह नहीं चाहते थे कि जयराम महतो गिरिडीह से नामांकन दाखिल करें। यही वजह है कि नामांकन के तुरंत बाद एक मामले में रांची पुलिस ने जयराम महतो को बोकारो समाहरणालय के समीप ही गिरफ्तार कर लिया, लेकिन वे पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए। उसके बाद रांची सिविल कोर्ट ने जयराम महतो की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए जयराम के विरुद्ध पीड़क कार्रवाई पर रोक लगा दी। इसके बाद जयराम महतो चुनावी अखाड़े में दहाड़ने लगे हैं।

दरअसल, अपने अभ्रक और कोयला खदानों के लिए प्रसिद्ध गिरिडीह लोकसभा सीट से भाजपा के रविंद्र कुमार पांडेय पांच बार सांसद रह चुके हैं। इस क्षेत्र में आज भी भाजपा का दबदबा माना जाता है। लेकिन, गठबंधन के कारण 2019 के चुनाव में यह सीट आजसू पार्टी के खाते में चली गई थी और रविन्द्र कुमार पांडेय चुनाव लड़ने से वंचित कर दिए गए थे। इसके बाद यहां से चंद्रप्रकाश चौधरी ने जीत हासिल की। अब देखना यह है कि 2024 के त्रिकोणीय संघर्ष में किसकी जय और किसकी पराजय होती है।

मुख्यमंत्री नीतीश ने देवेश चन्द्र ठाकुर के समर्थन में मांगा वोट

मिथिला डायरी

संवाददाता

सीतामढ़ी : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को जिले के परिहार में सीतामढ़ी लोकसभा क्षेत्र के जदयू प्रत्याशी देवेश चन्द्र ठाकुर के समर्थन में विशाल जनसभा को संबोधित किया और लोगों से भाजपा समर्थित जदयू (राजग) उम्मीदवार देवेश चन्द्र ठाकुर को विजयी बनाने की अपील की। सभा को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार ने तेजस्वी यादव पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में हम लोगों ने बहाली की है। पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव अपने विभाग में कितना बहाली लाये, उन्हें यह बताना चाहिए। उसको कोई आइडिया है। खाली अल बल बोलता है। चुनाव बाद सब पता चलेगा। हम लोगों ने बिहार में छात्र-छात्राओं के लिए साइकिल योजना चलाई, शिक्षा को बढ़ावा दिया और बिहार की सभी पंचायतों में उच्च माध्यमिक विद्यालय खुलवाया है। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद संजय झा, जदयू प्रत्याशी देवेश चन्द्र ठाकुर आदि शामिल थे।

राजद के अर्जुन से कड़ा मुकाबला

2024 के लोकसभा चुनाव में बिहार के सीतामढ़ी संसदीय क्षेत्र में वैसे तो कई उम्मीदवार मैदान में हैं, लेकिन यहां मुख्य मकाबला भाजपा समर्थिक जदयू के देवेश चन्द्र ठाकुर और इंडी गठबंधन (राजद) के अर्जुन राय के बीच है। यहां आगामी 20 मई को मतदान होना है। दरअसल, 2019 के चुनाव में इस सीट पर जदयू के सुनील कुमार पिंटू ने राजद के अर्जुन राय को हराकर जीत दर्ज की थी। लेकिन, इस बार जदयू ने बिहार विधान परिषद के सभापति देवेश चन्द्र ठाकुर को उम्मीदवार बनाया है। सीतामढ़ी में वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव के परिणाम की बात करे तो यहां से भाजपा समर्थिक राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के उम्मीदवार राम कुमार शर्मा ने राजद के सीताराम यादव को पराजित कर जीत दर्ज की थी।

उल्लेखनीय है कि सीतामढ़ी जगतजननी मां जानकी की जन्मभूमि है, जो नेपाल सीमा से सटा होने के कारण काफी संवेदनशील है। सीताममढ़ी लोकसभा क्षेत्र में 6 विधानसभा की सीटे हैं, जिनमें बथनाहा, (आरक्षित), परिहार, सुरसंड, बाजपट्टी, सीतामढ़ी और रुन्नीसैदपुर शामिल हैं। आसन्न चुनाव में जदयू के देवेश चन्द्र ठाकुर और राजद के अर्जुन राय पूरे दम-खम के साथ जंग-ए-मैदान मैदान में हैं। भाजपा और राजद कार्यकर्ता अपने-अपने समर्थित उम्मीदवारों के पक्ष में वोटों का ध्रुवीकरण करने में जी-जान से लग गए हैं। लेकिन, यदि चुनाव प्रचार की बात करें तो जदयू के देवेश चन्द्र ठाकुर इसमें आगे चल रहे हैं।

मधुबनी में भाजपा व राजद प्रत्याशी आमने-सामने

संवाददाता

मधुबनी : बिहार के मधुबनी लोकसभा क्षेत्र में 20 मई में चुनाव होंगे। मधुबनी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र भारतीय राजनीति पर बड़ा प्रभाव डालने वाली राजनीतिक शक्ति के रूप में जाना जाता है। विविध जनसांख्यिकी को दर्शाते हुए मधुबनी बिहार का एक महत्वपूर्ण निर्वाचन क्षेत्र बना हुआ है। यहां के मतदाता 2024 में अपने वोट की ताकत दिखाने के लिए और भी अधिक उत्सुक हैं। यहां भाजपा के अशोक कुमार यादव और राजद के मोहम्मद अली अशरफ फातमी आमने-सामने हैं। दरअसल, मधुबनी लोकसभा सीट से भाजपा के अशोक कुमार यादव सांसद हैं। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में अशोक कुमार यादव ने विवेकशील इंसान पार्टी के उम्मीदवार बद्री कुमार पूर्वे को हराया था। मधुबनी लोकसभा सीट दरभंगा जिले में भी आती है। दरभंगा जिले का कुछ हिस्सा मधुबनी लोकसभा क्षेत्र में है। मधुबनी लोकसभा क्षेत्र में 6 विधानसभा सीटें हैं। इनमें से 4 विधानसभा क्षेत्र मधुबनी जिले में हैं, बाकी दो सीटें दरभंगा जिले में आती हैं। दरअसल, वर्ष 1976 से पहले मधुबनी लोकसभा सीट जयनगर लोकसभा सीट के नाम से जानी जाती थी। 1976 से पहले जयनगर सीट पर कांग्रेस और वामपंथी पार्टी का कब्जा हुआ करता था। जब यह सीट मधुबनी के नाम से सामने आई तो कांग्रेस और वामपंथी के मतदाता सिमट कर रह गए। बाकी अन्य दलों के मतदाताओं का दमखम इस सीट पर दिखने लगा। मधुबनी सीट से भाजपा के दिग्गज नेता हुकुमदेव नारायण सबसे ज्यादा बार सांसद रह चुके हैं। उन्होने इस सीट पर 5 बार जीत दर्ज की। जबकि, इस समय इस सीट से उनके बेटे अशोक कुमार यादव सांसद हैं। भाजपा ने उन्हें 2019 के लोकसभा चुनाव में टिकट दिया था और उन्होंने पार्टी के लिए जीत भी हासिल की। अगर इस क्षेत्र में जातीय समीकरण की बात करें तो यहां ब्राम्हण वोटों की संख्या ज्यादा है। इसके बाद इस सीट पर यादव मतदाता हैं। अति पिछड़ा समाज के मतदाताओं की संख्या करीब 6 लाख है। दलित 2 लाख के आसपास हैं। यहां मुस्लिमों की भी खासी आबादी है। यहां भाजपा और राजद वोटरों का ध्रुवीकरण भी जातीय आधार पर होने लगा है।

आत्मशक्ति से ही साकार होंगी कामनाएं

– गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली –

जीवन का वास्तविक मूल उद्देश्य यह जानना है कि इस जीवन का मालिक कौन है? आमतौर पर हम सोचते हैं कि इस जीवन के मालिक हम स्वयं हैं, लेकिन यदि यह सच होता तो जो हम जीवन में चाहते, वही होता, पर ऐसा होता नहीं है। हम सब ने ऐसा अनुभव किया है कि किसी चीज को हम बहुत अधिक चाहते हैं तो वह हमसे बहुत दूर चली जाती है। जितना हम उसके पीछे भागते हैं, उतना वह हमसे दूर भागती है। लेकिन, जब थक कर हम उसके पीछे भागना बंद कर देते हैं तो अधिकांश परिस्थितियों में वह हमारे पास आ जाती है।

ऐसा क्यों होता है? जब हम कामना के पीछे भाग रहे होते हैं, उस समय कामना हमसे आगे रहती है एवं जब अंर्तमुख होकर उसकी इच्छा छोड़ देते हैं, वह हमें मिल जाती है। कठोपनिषद् के चतुर्थवल्ली में इसका उत्तर आया है। कठोपनिषद् में यम एवं नचिकेता के बीच हो रहा संवाद है। नचिकेता वाजश्रवस ऋषि का पुत्र है, नचिकेता का अर्थ है नहीं जानने वाला 'जिज्ञासु' अर्थात् हर व्यक्ति, जो अध्यात्म मार्ग में बढ़ रहा है तथा यम का अर्थ मृत्यु है। मृत्यु अर्थात् समापन, वह शाश्वत सत्य, जिसकी ओर हम सब बढ़ रहे हैं। मृत्यु अन्त नहीं है, बल्कि महाकाल है। आरम्भ एवं अन्त कुछ इस प्रकार इस स्थान पर एकाकार हो गए हैं कि संसार चक्र बन गया है।

संसार को बनाने वाले परमात्मा सब जगह हैं, परन्तु वह छुपा हुआ है। उसे प्राप्त करने की बेचैनी हर जीव को है, परन्तु मार्ग क्या लिया जाए, यह उसे ज्ञात नहीं? इसलिए आसान मार्ग बनाया गया सामने देखना और बढ़ना, इससे जीवन में सब कुछ प्राप्त हो जाता है।

कामनाएं दूर दिख रही हरी घास की तरह हैं, जिसे पाने के लिए इन्द्रियां ललचाती हैं एवं कोचवान मन से प्रार्थना करती है कि उस दिशा में बढ़ें, उन कामनाओं को साकार करने के उद्देश्य से लक्ष्य बनाए जाते हैं, जिससे हम आगे की ओर देखें एवं बढ़ें।

मन किसी नई चीज को देखकर ललचाता है। यह सुनकर कि किसी के पास यह सुख है, मेरे पास नहीं, परेशान हो जाता है। अब कोचवान मन परेशान हो तो इन्द्रियां इधर-उधर भागती हैं, बैचेन होती हैं। इसलिए, हम अपने लक्ष्य की तरफ भागते हैं, व्याकुल होते हैं।

परन्तु इस रथ पर सवार आत्मा है, आत्मा की अनदेखी करके जब हम इच्छाओं के पीछे भागते हैं, तब हमें थकान, कष्ट मिलता है। जिस हरी घास रूपी इच्छाओं की कामना में हमारा कोचवान रूपी मन हमारे शरीर को दौड़ा रहा होता है, पंच इन्द्रियों को भगा रहा होता है, परन्तु वे उसे नहीं मिलती है। इच्छाएं को देखते ही आगे बढ़ने में धोखा मिलता है। नचिकेता इस बात को जानता है। इसलिए वह यम के छलावे में नहीं पड़ता है। यम उससे कहते हैं, धन सम्पत्ति संतति मांगो और नचिकेता उसमें नहीं पड़ता है। वह उसके पार जाकर जानना चाहता है कि शरीर के ऊपर कौन है?

शरीर के ऊपर मन एवं मन के ऊपर आत्मा है। यह सारा खेल बड़े से छोटा होता जाता है। मनुष्य की विडम्बना है कि उसे बड़ा दिखाई देता है। इसलिए वह उसके पीछे जाता है, लेकिन उन कामनाओं को साकार वह आत्मशक्ति से करता है। आत्मा की शक्ति को हम तब तक अनुभव नहीं करते हैं, जब तक हम विषयों से अन्दर की ओर नहीं मुड़ जाते हैं।

आपके भीतर है समाधान

समाधान आपके भीतर है। इसलिए संकट काल में जब हम अर्न्तमुखी होते हैं, हमें अपने अन्दर उस विराट शक्ति की अनुभूति होती है, वह शक्ति आत्मशक्ति है। सब कुछ इस आत्मशक्ति से मिलता है। लेकिन कामनाओं के पीछे अंधाधुंध दौड़ते हुए हमें यह पता नहीं चलता। हम उस कामना से नजर हटाकर अपने आप को देखते हैं, इसे ही कहते हैं आत्मवलोकन या फिर अपने पर ध्यान देना। कामनाओं से ध्यान हटता है, तब हमें वह वस्तु, हमारी आत्मशक्ति मिलती है, अंधाधुंध भागने से नहीं।

मन को सकारात्मक कैसे रखें?

मन क्या है? हमारे मन को हमेशा सकारात्मक व खुश कैसे रखें? इस शरीर में मन इंद्रियों से भी ऊपर है। इंद्रिय मन के अधीन हैं, जिस दिशा में मन भटकता है, उस दिशा में इंद्रियां भी चल देती हैं। उदाहरण के तौर पर यदि एकाएक बारिश होने लगे तो हमारा मन चाय समोसा खाने का हो जाता है और फिर हम या तो उसे आर्डर करते हैं या उसे बनाते हैं। अर्थात मन जो चाहता है, उस दिशा में शरीर चल देता है। लेकिन मन की प्रवृत्ति है कि वह इधर-उधर भटकता रहता है। उसे सकारात्मक और प्रसन्न रखना वास्तव में एक कठिन कार्य है, जिसे करने के लिए हमें साक्षी भाव को समझना पड़ेगा।

साक्षी भाव क्या है? साक्षी वेदान्त का शब्द है, जिसका अर्थ देखना है। अर्थात् कोई है, जो उस समय भी, जब हम अकेले होते हैं, हमें देख रहा है। श्वेताशवर उपनिषद में एक कथा आती है कि किसी वृक्ष पर दो प्रकार के पक्षी हैं, एक जो फल खा रहा है और दूसरा उसे फल खाते हुए देख रहा है।

पहला पक्षी भोक्ता है, वह स्वाद चख रहा है, लेकिन जो उसे फल खाते देख रहा है, वह द्दष्टा है, वह साक्षी है, वह गवाह है इस बात का कि फल खाया जा रहा है। उस पक्षी के विषय में और अधिक बतलाया गया है। सुन्दर पंखों वाले सदा साथ रहने वाले एक दूसरे के मित्र हैं, दोनों एक ही वृक्ष का आलिंगन कर रहे हैं। उनमें से एक पक्षी पीपल के स्वादिष्ट फल का स्वाद ले रहा है, दूसरा सिर्फ देख रहा है। जो स्वादिष्ट फल को खा रहा है, वह जीवात्मा है, जैसे कि हम लोग, लेकिन परमात्मा साक्षी भाव से जीवात्मा को सिर्फ खाते हुए देख रहा है। होता यह है कि जब फल खाते-खाते जीव थक जाता है, लेकिन उसकी क्षुधा शान्त नहीं होती है, तब वह उस पेड़ पर स्थित परमात्मा को देखता है, जो उसका साक्षी है, जो निर्विकार भाव से उसे फल खाते देख रहा है।

भोक्ता नहीं, दृष्टा की भांति जिएं

कई संत महात्मा अपने उपदेश में कहते हैं कि अपने दुख को कम करना है तो जीवन को भोक्ता की तरह नहीं, बल्कि द्दष्टा की भांति जियो।

यदि हम सोच रहे कि द्दष्टा कौन है? इस उदाहरण से इसे समझा जा सकता है। जब हम सोते हैं तब हम सो जाते हैं, लेकिन जगने पर कोई हमसे पूछे कि कैसी नींद आई, तब हम कहते हैं कि अच्छी नींद आई। अब हम तो सो रहे थे, फिर देख कौन रहा था कि नींद कैसी थी? जब हम सोते हैं, उस समय भी हमारे अन्दर कुछ जगा हुआ था?

प्रश्नोपनिषद् में गार्ग्य पिप्पलाद ऋषि से यही प्रश्न पूछते हैं कि आचार्य कौन सोता है? कौन जागता है? कौन स्वप्न देखता है? किसे सुख होता है? यह सब किसमें प्रतिष्ठित हैं? कौन इन सब का आधार है?

पिप्पलाद ऋषि ने उत्तर दिया कि सूर्य जब अस्त होने लगता है, तो फिर सब किरणें उस तेजोमंडल में सिमटकर एक हो जाती हैं, जब वह उदय होता है तो वे सभी दिगदिगन्त में चल देती हैं। हमारी इन्द्रियों का मुखिया मन है, इन्द्रियों को मन से प्रेरणा मिलती है, जिससे वे क्रियाशील होते हैं। मनः शक्ति के अस्त होते ही, उसके सोते ही, सभी इन्द्रियां सो जाती हैं। इसलिए सोते ही इन्द्रियों को कुछ नहीं पता है, परन्तु मन फिर भी जाग रहा है, इसलिए सोकर उठो तो पता रहता है कि मैं किस प्रकार से सोया? जबकि मैं सो रहा था।

वह कौन था, जो जगा हुआ था, जब मैं सो रहा था? वह साक्षी मन है, परन्तु मन भी भटकता है। बिलकुल भटकता है। मन परेशान, व्यग्र, व्याकुल, चिन्तित, दुखी एवं खुश सब होता है।

यह कैसा मुखिया है, जो इतना अधिक चंचल एवं अस्थिर है? यदि वह साक्षी है तो उपनिषद के इन दो पक्षियों के तरह चुपचाप सब देख क्यों नहीं रहा? उन घटनाओं से प्रभावित होकर वह इन्द्रियों को अस्थिर कर रहा है।

मनःशक्ति और आत्मशक्ति में भेद

इस स्थान पर हमें मनःशक्ति एवं आत्मशक्ति में भेद करने की जरूरत है। मन इन्द्रियों को चला रहा है, लेकिन मन की चालक आत्मा है। इसे कोई शक्ति कहता है, इसे कोई शिव तो कोई ब्रह्म कहता है। आत्मा में यह सार्मथ्य है कि इधर-उधर डोलते मन को साक्षी भाव की ओर ले जाकर उसके कष्टों पर विराम लगा दे। आप सोचोगे कैसे लगेगा विराम?

तो उत्तर है- जैसे कोई आत्मीय परेशान हो तो मन व्याकुल हो जाता है, लेकिन आपकी व्याकुलता उसकी समस्या का उत्तर नहीं। उत्तर क्या होगा? उत्तर क्रिया में है जो तुम कर सकते हो, करो और उस परम शक्ति से प्रार्थना के द्वारा, अपनी आत्मशक्ति को टेलीफोन लगाकर अपने मन की बात कहो।

मन को यदि प्रत्येक परिस्थिति में शांत और निर्विकार रखना है तो इंद्रियों पर संयम और साक्षी भाव को परिपक्व करना है।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

औषधीय गुणों से भरपूर है एलोवेरा, जानिए फायदे

एलोवेरा, एक प्राचीन औषधीय पौधा, स्वास्थ्य के लिए अनेक गुणों से भरपूर है। इसके पत्तों का उपयोग त्वचा, बाल, और स्वास्थ्य के कई स्थानों पर किया जाता है। आइए, जानते हैं इसके स्वास्थ्य-लाभ-

त्वचा के लिए फायदेमंदः एलोवेरा में अन्य समग्रियों के साथ विशेष गुण होते हैं जो त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखने में मदद करते हैं। इसका उपयोग त्वचा की सूजन, दाग-धब्बों, और जलन को कम करने के लिए किया जाता है।

पाचन को सुधारने में सहायकः एलोवेरा का रस पाचन को सुधारता है और अपच जैसी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। इसका सेवन अपाचन, गैस, और पेट में दर्द को कम कर सकता है।

बालों के लिए उपयोगीः एलोवेरा बालों के लिए भी फायदेमंद होता है। इसका तेल और रस बालों को मजबूती और चमकदार बनाने में मदद कर सकता है।

इम्यून सिस्टम को मजबूत करनाः एलोवेरा में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स और विटामिन्स इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में मदद करते हैं, जिससे रोगों का सामना करने की क्षमता बढ़ती है।

रक्तशोधक गुणः एलोवेरा का सेवन रक्त में शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है और रक्तशोधक गुणों के कारण रक्त को साफ रख सकता है।

जैविक एंटीबायोटिक्सः एलोवेरा में पाये जाने वाले विशेष आयुर्वेदिक गुणों के कारण, यह जैविक एंटीबायोटिक्स के रूप में कार्य करता है, जो कीटाणुओं और जीवाणुओं के खिलाफ लड़ने में मदद कर सकता है।

जलन से राहतः एलोवेरा को जलन, काटन, घावों, जुएं, और दांतों के रोगों के इलाज में भी प्रयोग किया जाता है। यह एक प्राकृतिक औषधि होने के साथ-साथ एक सुरक्षित और प्रभावी है।

सावधानी- *एलोवेरा का सेवन सावधानीपूर्वक किया जाना चाहिए, खासकर अगर कोई व्यक्ति किसी अन्य दवा का सेवन कर रहा है या किसी विशेष रोग का सामना कर रहा है। साथ ही, यह भी महत्वपूर्ण है कि आप विशेषज्ञ की सलाह लें, खासकर अगर आप किसी गंभीर स्वास्थ्य समस्या का सामना कर रहे हैं।*

– प्रस्तुति : विकास

डीपीएस बोकारो के शिक्षक रोशन ने किया झारखंड का नाम रोशन

इंटरनेशनल आर्ट इवेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए मिलेगी तीन लाख रुपए की स्कॉलरशिप

दुनियाभर में मिली 14वीं रैंक

संवाददाता
बोकारो : दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के एक और कला शिक्षक रोशन मिश्रा ने अपनी फनकारी का परचम लहराया है। विद्यालय के कला शिक्षक रोशन मिश्रा को विश्वस्तरीय कला स्पर्धा में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए तीन लाख रुपए की स्कॉलरशिप के लिए चयनित किया गया है। इसके साथ ही रोशन उक्त स्पर्धा में यह उपलब्धि अर्जित करने वाले झारखंड के एकमात्र कलाकार बन गए हैं। भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम के तहत संस्कृति मंत्रालय से सम्बद्ध स्किल डेवलपमेंट ड्राइंग लिटरेसी मिशन की ओर से आयोजित इंटरनेशनल ऑनलाइन आर्ट एग्जिबिशन अवार्ड इवेंट में श्री मिश्रा की पेंटिंग को दुनिया भर में 14वीं रैंक मिली। उन्होंने अपनी पेंटिंग में शून्य से ब्रह्मांड के अस्तित्व की महत्ता और मनुष्य के संघर्ष को चित्रित किया, जिसे ए ग्रेड में चयनित किया गया। इसके लिए उन्हें एक साल तक हर महीने 26,210 यानी कुल 3,14,520 रुपए की स्कॉलरशिप मिलेगी। इसके अलावा, 12980 रुपए की पारितोषिक राशि भी मिलेगी। रोशन को भारत सरकार के कला एवं संस्कृति विभाग की ओर से इस हेतु विशेष रूप से प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया गया है। राष्ट्रीय इवेंट ब्लॉगस्पॉट डॉट कॉम द्वारा आयोजित उक्त इवेंट का प्रशस्ति-पत्र एवं ईमेल संदेश प्राप्त होने पर विद्यालय में डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ ए एस गंगवार ने रोशन को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई दी। साथ ही, उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए प्राचार्य ने इसे न केवल विद्यालय परिवार एवं बोकारो, बल्कि समस्त झारखंड के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि बताई।

यह उपलब्धि पाने वाले बने झारखंड के एकमात्र कलाकार

बचपन से ही पेंटिंग में रुचि, माता-पिता खोने के बाद भी न खोया हौसला

34 वर्षीय रोशन ने एक खास बातचीत में बताया कि पेंटिंग में उनकी रुचि बाल्यकाल से ही रही है। अपने पिता स्व. गजाधर मिश्रा एवं माता स्व. शुक्ला मिश्रा ने उन्हें हर कदम पर हरसंभव सहयोग किया और उन्हीं की प्रेरणा से आज वह इस मुकाम पर पहुंच सके हैं। उन्होंने बताया कि माता-पिता के निधन के बाद उनके लिए संघर्षपूर्ण स्थिति जरूर बनी, लेकिन इसके बाद भी उन्होंने अपना हौसला न खोया। उन्होंने कहा कि कला किसी को भी सदैव जीवंत बनाए रखता है और इसी कारणवश उन्हें इस क्षेत्र में रुचि जगी। उन्होंने कहा कि रंगों के बिना यह दुनिया बेरंग है और रंगों से उनका लगाव ही इस क्षेत्र में उनके आने का कारण बना। उन्होंने वर्तमान में डीपीएस बोकारो परिवार के सहयोग एवं विशेषकर प्राचार्य डॉ. गंगवार के मार्गदर्शन को लेकर आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दिखा चुके हैं प्रतिभा

बोकारो के सेक्टर-1 में रह रहे मूलतः टुंडी (धनबाद) के मूल निवासी श्री मिश्रा काठमांडू (नेपाल) व पेरिस सहित भारतवर्ष के कोने-कोने में विभिन्न जगहों पर आयोजित चित्रांकन प्रदर्शनियों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुके हैं। उन्हें दो-दो बार अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं। पेंटिंग के अलावा उन्हें साहित्य का भी शौक है। वह कविताएं लिखते हैं और जीवन-अस्तित्व पर शोध के लिए उन्हें दो वर्ष पूर्व ललित कला अकादमी, नई दिल्ली की तरफ से विशेष स्कॉलरशिप भी मिल चुकी है। रोशन जाने-माने चित्रकार राजा रवि वर्मा और एस एस राजा से खासे प्रेरित हैं। उनकी दिली ख्वाहिश बच्चों में चित्रकला का विकास कर भारत की कलात्मक समृद्धि को बनाए रखना है।

सिद्धू-कान्हू कला रत्न अवार्ड से भी नवाजे गए

डीपीएस बोकारो के कला शिक्षक रोशन मिश्रा को हाल ही में सिद्धू कान्हू कला रत्न अवार्ड 2024 से भी नवाजा गया है। रिवाइवल ऑफ ट्राईबल एंड फोक आर्ट फाउंडेशन, झारखंड की तरफ से उन्हें 31 मार्च से 28 अप्रैल तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन चित्रांकन प्रदर्शनी में शानदार प्रस्तुति के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। इसके अलावा हाल ही में श्री राम जन्मभूमि अयोध्या में संस्कार भारती, उत्तर प्रदेश व राज्य ललित कला अकादमी (संस्कृति विभाग), उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रामोत्सव राष्ट्रीय चित्रकार शिविर में भी झारखंड से एकमात्र चयनित होने का अवसर मिल चुका है। गौरतलब है कि हाल ही में डीपीएस बोकारो के वरीय कला शिक्षक सुनील कुमार को भी एमएफ हुसैन अवार्ड मिला और तीन लाख रुपए से अधिक की स्कॉलरशिप के लिए चुना गया है।

यज्ञ के लिए तैयार कर रहे थे जमीन, तभी प्रकट हुई थीं जानकी

महत्वपूर्ण है मां सीता का प्राकट्य दिवस जानकी नवमी, जानिए कैसे...

वाल्मीकि रामायण के अनुसार राज जनक की कोई संतान नहीं थी, इसलिए उन्होंने यज्ञ करने का संकल्प लिया। जिसके लिए उन्हें जमीन तैयार करनी थी। वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को पुष्य नक्षत्र में जब राजा जनक हल से जमीन को जोत रहे थे, उसी समय पृथ्वी में उनके हल का एक हिस्सा फंस गया। उस जगह खुदाई करने पर मिट्टी के बर्तन में उन्हें कन्या मिली। जोती हुई भूमि और हल की नोक को सीता कहा जाता है, इसलिए उसका नाम सीता रखा गया। मां जानकी का यह प्राकट्य दिवस अपने-आप में काफी महत्वपूर्ण है। इस दिन माता सीता और श्रीराम की पूजा की जाती है। धर्म ग्रंथों के अनुसार इसी दिन सीता का प्राकट्य हुआ था। श्रीराम और सीता जी का जन्म एक ही नक्षत्र में हुआ।

ग्रंथों के अनुसार वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की नवमी को पुष्य नक्षत्र में महाराजा जनक को पृथ्वी से संतान प्राप्त हुई थी। ग्रंथों में इस दिन का महत्व बताते हुए कहा गया है कि इस दिन माता सीता और श्रीराम की पूजा के साथ ही व्रत भी रखना चाहिए। इससे पृथ्वी दान सहित, सोलह तरह के महत्वपूर्ण दान का फल भी मिलता है।

ऐसी मान्यता है कि इस दिन सुहागिन महिलाओं द्वारा व्रत रखने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। महिलाएं इस दिन पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं। मान्यता है कि सीता माता लक्ष्मी जी का अवतार हैं। इस दिन व्रत रखने और पूजा से कई तीर्थ यात्राओं और दान-पुण्य के बराबर फल मिलने की मान्यता भी है।

ऐसे करें सीता नवमी की पूजा

1. सीता नवमी पर व्रत व्रत करने वाले को सुबह जल्दी उठकर नहाना चाहिए।
2. इसके बाद माता जानकी को प्रसन्न करने के लिए व्रत और पूजा का संकल्प लेना चाहिए।
3. फिर एक चौकी पर माता सीता और श्रीराम की मूर्ति या तस्वीर रखें।
4. राजा जनक और माता सुनयना की पूजा के साथ पृथ्वी की भी पूजा करनी चाहिए।
5. इसके बाद श्रद्धा अनुसार दान का संकल्प लेना चाहिए।
6. कई जगहों पर मिट्टी के बर्तन में धान, जल या अन्न भरकर दान दिया जाता है।

पेज- 1 का शेष

शिकंजे में 'लूटखंड'...

144 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क हुई थी। मधु कोड़ा 2017 में दोषी करार दिए गए। 25 लाख रुपए जुर्माने के साथ उन्हें तीन साल की जेल की सजा हुई। मधु कोड़ा के आधे से अधिक मंत्रिमंडलीय सहयोगी भी भ्रष्टाचार के मामलों में जेल की हवा खा चुके हैं।

आईएएस पूजा सिंघल जेल में

2000 बैच की आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल के अलावा उनके व्यवसायी पति, दंपति से जुड़े एक चार्टर्ड अकाउंटेंट और अन्य पर भी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत ईडी ने छापा मारा था। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कार्यकाल में विगत 7 मई 2022 को झारखंड में पदस्थापित आईएएस पूजा सिंघल के करीबी एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) के घर से ईडी ने 17 करोड़ रुपए बरामद किए थे। बिस्तर के नीचे नोटों के बंडल सजा कर रखे गए थे। नकद के अलावा उसके पास से आठ करोड़ रुपए मूल्य की संपत्ति भी मिली थी। इस सिलसिले में पूजा सिंघल के ससुर को भी गिरफ्तार किया गया था। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनसे जुड़ी संपत्तियों पर छापेमारी के बाद पूजा सिंघल 11 मई, 2022 से जेल में हैं। यह मामला ग्रामीण रोजगार के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रम मनरेगा में भ्रष्टाचार से संबंधित है। ईडी की टीम ने दो अलग-अलग मनी लॉन्ड्रिंग जांच के दौरान अवैध खनन से जुड़ी 36 करोड़ रुपये से अधिक नकद जब्त की है।

इंजीनियर के घर मिली थी अकूत संपत्ति

ईडी ने जिस सिलसिले में हालिया यह कार्रवाई की है, उसके तार पिछले साल गिरफ्तार हुए ग्रामीण विकास के चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम से जुड़ते हैं। फरवरी 2023 में ईडी ने ग्रामीण विकास विभाग के चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम के रांची, जमशेदपुर सहित लगभग दो दर्जन ठिकानों पर छापेमारी की थी। ईडी ने उनके घर से डेढ़ करोड़ से अधिक के जेवरात जब्त किए थे। वीरेंद्र राम अब भी जेल में हैं। ईडी को वीरेंद्र राम के ठिकानों से जेवरात के अलावा नकद 20 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के कागजात भी मिले थे। ये वही वीरेंद्र राम थे, जिन पर 2019 के विधानसभा चुनाव में आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगा था। उनके घर से करीब ढ़ाई करोड़ रुपये बरामद हुए थे।

कांग्रेस सांसद के ठिकानों से मिले 350 करोड़

वर्ष 2023 में ही कांग्रेस कोटे से राज्यसभा सांसद धीरज साहू के ठिकानों पर आयकर विभाग ने छापेमारी कर 350 करोड़ से अधिक नकद बरामद किए थे। 350 करोड़ रुपये से अधिक की अघोषित नकदी के अलावा 2.8 करोड़ रुपए से अधिक के बेहिसाब जेवरात भी जब्त हुए थे। आयकर विभाग ने कहा था कि 329 करोड़ रुपये नकद का एक बड़ा हिस्सा ओड़िशा के छोटे शहरों से बरामद किए गए। हालांकि, धीरज साहू ने दावा किया था कि बरामद रुपयों से उनका कोई लेना-देना नहीं है। व्यवसाय उनके घर के अन्य लोग संभालते हैं और संभव है कि व्यावसायिक लेन-देन की ही यह रकम हो।

पीछे छूट गया अलग राज्य का मकसद

दरअसल, वर्ष 2000 में अटल बिहारी वाजपेयी की तत्कालीन सरकार ने बिहार से अलग झारखंड राज्य की मांग को इसलिए पूरा कर दिया, ताकि अपने संसाधनों से इसका समुचित विकास हो सके। लेकिन, झारखंड अलग राज्य बनने के बाद जिस विकास और खुशहाली का सपना लोगों ने देखा था, वह तो पूरा नहीं हुआ, उल्टे यहां लूट की संस्कृति दिन प्रतिदिन मजबूत होती गई। पिछले तीन साल में जिस तरह नौकरशाहों के घर से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने नोटों का जखीरा बरामद किया है, उससे झारखंड का अघोषित नाम लूटखंड हो गया है। सच कहें तो जिस मकसद से अलग राज्य की मांग हो रही थी, वह मकसद पीछे छूट गया।

सरकार नहीं, देश बनाने का है यह चुनाव : पीएम

चतरा में मोदी ने विपक्ष पर साधा निशाना, कांग्रेस व इंडी गंठबंधन को विकास में बाधक बताया

विशेष संवाददाता

रांची : 'वर्ष 2024 का यह लोकसभा चुनाव सिर्फ सरकार बनाने का चुनाव नहीं है, यह चुनाव देश बनाने का चुनाव है। यह चुनाव चोर-लुटेरों से देश को बचाने का चुनाव है। यह चुनाव आपके बच्चों का भविष्य सुनिश्चित करने का चुनाव है। आप तो जानते हैं कि वो कौन लोग हैं, जिनसे देश को बचाना जरूरी है। कांग्रेस, जेएमएम और इंडी गठबंधन के दलों से देश को बचाना जरूरी है।' उक्त बातें देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कही। शनिवार को चतरा जिले के सिमरिया-टंडवा में आयोजित जनसभा को वह संबोधित कर रहे थे। मोदी ने चतरा लोकसभा सीट से कालीचरण सिंह और हजारीबाग से मनीष जायसवाल के पक्ष में वोट मांगे। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और झामुमो पर जमकर निशाना साधा।

'शहजादे' को मिलेगी अपनी उम्र से भी कम सीट

पीएम श्री मोदी ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि शहजादे को अपनी उम्र से भी कम सीट मिलने जा रही हैं। साथ ही कहा कि पूरा गठबंधन सिर्फ इस बात की कोशिश कर रहा है कि उन्हें विपक्ष का दर्जा मिल जाए। वैसे, इंडी गंठबंधन वाले पहले ही अपनी हार मान चुके हैं। उन्होने कहा- कांग्रेस का पंजा दलितों, ओबीसी, एसटी और एससी आरक्षण को छीनने में लगा हुआ है। उन्होंने धर्म के नाम पर आरक्षण का विरोध किया। मोदी ने कहा कि कांग्रेस के शहजादे आजकल नया फॉर्मूला लेकर आ रहे हैं। ये क्षेत्रीय दलों का अस्तित्व खत्म करना चाहते हैं। मोदी ने कहा कि ये जो छोटे छोटे दल हैं, उन सबको अपना विलय कांग्रेस में कर देना चाहिए। मैं सोच रहा था कि ऐसा सुझाव उन्होंने क्यों दिया। क्योंकि, उनके मन में हताशा घर कर गई है। वो क्षेत्रीय पार्टियों का अस्तित्व खत्म कर देना चाहते हैं। पिछले तीन चरण के मतदानों के रुझान के बाद उन्होंने ऐसा सुझाव दिया है। विपक्ष को जितनी सीटें चाहिए, यानी दस प्रतिशत होती है, उनको लग रहा कि इतनी भी नहीं आएगी। यदि विलय कर देंगे तो मान्य विपक्ष के रूप में उनको मान्यता मिल जाए। देश के मतदाताओं ने तीन चरणों में ही ऐसा सबक सिखा दिया है कि वो अब विपक्ष में बैठने के लिए मान्यता की जुगाड़ में जुटे हैं। मोदी ने दावे से कहा- मैं बड़ी जिम्मेवारी के साथ कह रहा हूं कि लोकसभा चुनाव के साथ ही जहां-जहां विधानसभा के लिए चुनाव हो रहे हैं, वहां भी भारी बहुमत से एनडीए की सरकार बनेगी।

विपक्ष का एक ही ध्येय- न कुछ करेंगे, न करने देंगे

मोदी ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन वालों को विकास में रोड़ा बताया। कहा कि झामुमो और कांग्रेस का एक ही एजेंडा है, न कुछ करेंगे और न ही करने देंगे। उन्होंने कहा कि ये भ्रष्टाचार के अलावा कुछ करते भी नहीं है। मोदी जो काम करता है, उसे भी ये करने नहीं देते हैं। पीएम ने कहा- साथियों, मैं गरीब परिवार में पैदा हुआ हूं। गरीबी क्या होती है, मैं जानता हूं। इसीलिए मैं चाहता हूं कि मेरे देश के गरीब का चूल्हा जलता रहना चाहिए, लेकिन ये लोग चाहते हैं कि मोदी का भेजा राशन आपको मिले ही नहीं।

'बेशर्म हैं भ्रष्टाचारी'

मोदी ने कहा कि झारखंड में भ्रष्टाचार चरम पर है। इंडी गठबंधन की सरकार भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई है। यहां नेताओं के पीएस के घर से भी नोटों के पहाड़ निकल रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब पीएस और उसके नौकर के घर में इतने पैसे निकल रहे हैं तो आप अंदाजा लगा सकते हैं कि उनके पास कितने पैसे होंगे। बेशर्मी देखिए इतने नोट निकलने के बाद शर्म से आंखें झुक जानी चाहिए, लेकिन इन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा- इस काले धन को सिर्फ एक ही व्यक्ति बाहर ला सकता है, जिसके ऊपर एक भी दाग नहीं लगा। वह सिर्फ आपका बेटा मोदी है।

द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्रपति बनना अभिमान

मोदी ने कहा कि आदिवासी महिला द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्रपति बनना देश के लिए अभिमान है। आदिवासियों ने राजकुमार राम को मर्यादा पुरुषोत्तम बना दिया था। यहां गरीब आदिवासियों की बेटियों की इज्जत लूटी जा रही है। मोदी ने कहा कि मैं चाहता हूं कि आदिवासियों के बच्चे भी ज्यादा से इंजीनियर डॉक्टर बनें। इसी को ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार की ओर से स्थानीय भाषाओं में हायर स्टडी को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, लेकिन ये लोग विरोध कर रहे हैं। हर घर जल पहुंचाने के लिए नल-जल योजना शुरू की गयी है, लेकिन झारखंड सरकार इसे भी रोकने में लगी है। उन्होंने यह भी कहा कि झारखंड में एक ही उद्योग लगा, अफीम का उद्योग। ये आपके बच्चों को नशे की दलदल में ढकेलना चाहते हैं।

घुसपैठ को संरक्षण देने का आरोप : पीएम मोदी ने झारखंड में झामुमो सरकार घुसपैठियों को संरक्षण देने का भी आरोप लगाया। कहा कि कांग्रेस व इंडी वाले आपकी संपत्ति की जांच कराएंगे। कितनी जमीन है, इसकी भी जांच की जाएगी। फिर वे आपकी आधी संपत्ति लेकर घुसपैठियों में बांट देंगे। वे ऐसा कानून लाने वाले हैं।

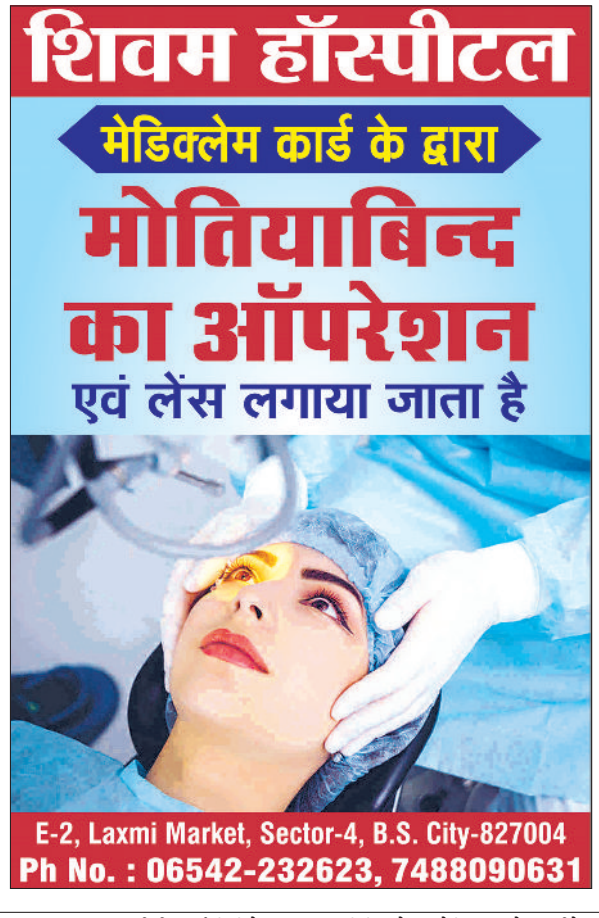

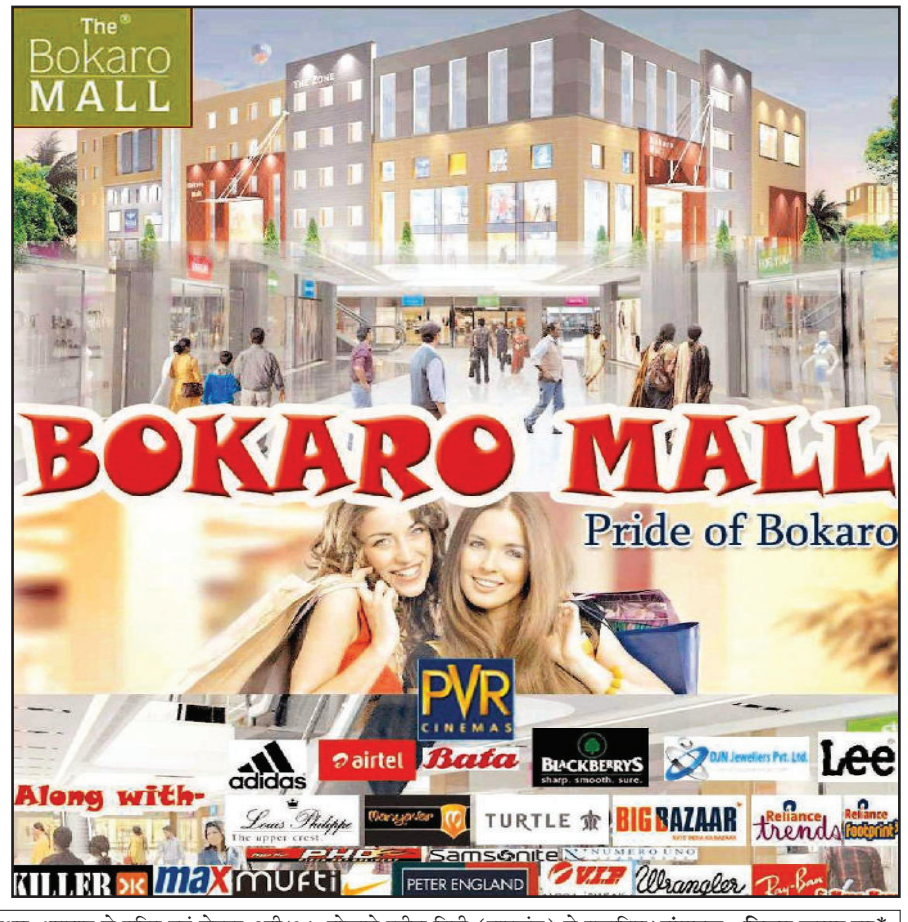

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **कैप्टन संजय,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)